



Handwritten text in Devanagari script on a palm leaf manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the length of the leaf. The script is dark and appears to be a form of Sanskrit or a related classical language. The leaf itself is aged, showing a mottled brown and black color with visible wood grain and some physical damage, including a small circular hole near the center and irregular edges.

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

226

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

अथैवमत्रलंयामिदगताथात्मदाबलात्॥ अथैवमत्रलंयामिदगताथात्मदाबलात्॥ अथैवमत्रलंयामिदगताथात्मदाबलात्॥ अथैवमत्रलंयामिदगताथात्मदाबलात्॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

२०३

[illegible]

[illegible][illegible]

(Faint handwritten Devanagari script at the bottom of the page)

[illegible]

का का का ॥ अतः ४ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

यत्र मन्त्राणां केतव्यं तत्रैव विवक्ष्यते ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

यत्किमिति लोका (१) यं तान् न ४ व ३ मो त्रि का ४ अ लं क ५ ली क ६ य ७ अ ८ यि वात्र ९ अ १० (१) न नि यं त व । यन्नि मा धि १२ (१) मा
सा वद्वि पा षो णि १३ यथा के भव ता त्रि का दशा नि दमं क वे स ह आ १४ कृ ती ता नि द व नि द श ल कृ त्रि के सा व के मो व द ए न के वि मो न द न वि स म त १५ नि य न न र ता या रु क र क र द र क र म
द र थ दि व १६ अ द्ध वि दाना स्य द वा धि अ धा ना द र १७ मा धि नि १८
ता ल कृ त्रि के सा थ य धि अ धा न १९ ली वा २० आ अं ध स्ति २१ ल
ध अ मा रु क र २२ द २३ क २४ ध अ दि व म २५ आ त्रि धु य २६ न २७ क र २८
म रं गि ला रि वा क रं २९ क ३० आ त्रि धु य ३१ शि वा मा द्वा मो ति क र्त्वा ३२ धि वा ३३ धि तं ३४ द धि ल क र्त्ति क सा क म वि धा क रं ३५ अ थ सा नि धु या रं ३६ न म रं थ धु वा अ न ३७ आ थ ३८
हा (१) लू ल नी ता स ह व न ३९ अ ति य ४० य ४१ र्त्वा ता नि त त ४२ थ द ४३ यु व ४४ आ चि व ४५ यि वात्र ४६ अ ४७ (१) न नि यं त व ४८ अ मा

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

निवाद्यमंदरः आदृत्यानिधिनिकृतां पमंदरायति आधुना ननु कथं कथं नाथप्रभाता विहृता अथापायाय प्रवृत्ता वदन्त्या वयः ॥ ६ ॥ मंभा वदन्त्या वदः ॥
मंभा वदन्त्या वदः मंभा वदन्त्या वदः मंभा वदन्त्या वदः मंभा वदन्त्या वदः मंभा वदन्त्या वदः मंभा वदन्त्या वदः मंभा वदन्त्या वदः मंभा वदन्त्या वदः
कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः
कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः
कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः कृपाय प्रवृत्ता वदन्त्या वदः

२५३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 निवेद्युपस्थानिकमाध्यात्मिकं च ध्यायेत् ॥
 लोकद्वयं चादि विद्यां च ॥ २ ॥
 दायकां च ध्यायेत् ॥ ३ ॥
 दायकां च ध्यायेत् ॥ ४ ॥
 दायकां च ध्यायेत् ॥ ५ ॥
 दायकां च ध्यायेत् ॥ ६ ॥
 दायकां च ध्यायेत् ॥ ७ ॥
 दायकां च ध्यायेत् ॥ ८ ॥
 दायकां च ध्यायेत् ॥ ९ ॥
 दायकां च ध्यायेत् ॥ १० ॥

इयमपि सप्तमः प्रश्नः । तत्रापि चत्वारिंशदध्यायाः समाख्यातव्ये । अथानुष्ठुप्तादयस्तस्यैव । इति सप्तमः प्रश्नः ।

दधुतुलादिनिनिपुष्यथावममसायनवात्ययक्षिप्रदायथादुहतिपायगलममसर्लदीमाक्षवासमासुज४कथाताक्षितयानयशदागयसिनिदातावादा
 मीदीनिमिकथामादि४थाक्षिप्रदायथादुहतिपायगलममसर्लदीमाक्षवासमासुज४कथाताक्षितयानयशदागयसिनिदातावादा
 ईमादिनिपुष्यथावममसायनवात्ययक्षिप्रदायथादुहतिपायगलममसर्लदीमाक्षवासमासुज४कथाताक्षितयानयशदागयसिनिदातावादा
 सायामयदाकृगवनासवक्षिप्रदायथादुहतिपायगलममसर्लदीमाक्षवासमासुज४कथाताक्षितयानयशदागयसिनिदातावादा
 वादक्षिप्रदायथादुहतिपायगलममसर्लदीमाक्षवासमासुज४कथाताक्षितयानयशदागयसिनिदातावादा
 कि००मादिनिपुष्यथावममसायनवात्ययक्षिप्रदायथादुहतिपायगलममसर्लदीमाक्षवासमासुज४कथाताक्षितयानयशदागयसिनिदातावादा
 नाथिदातमासया॥यकवाउदुदायुयदानदीमाक्षवासमासुज४कथाताक्षितयानयशदागयसिनिदातावादा॥यकवाउदुदायुयदानदीमाक्षवासमासुज४कथाताक्षितयानयशदागयसिनिदातावादा॥

मनीषिणा। मनासागाम्यमास्यकथंयान्नदीय००॥ गन्तान्मुच्यतेनदास्यामीतिनृपकथा० दत्तात्रेयः स्मितयुगलदार्ढ्यप्रदर्शनेवैद्यमकिन। सुदक्षमादिद्राणानु०
 निदाबकाज्ञा० कान्तमाहसा सर्वशास्त्रविद्वक्० स्थूटसर्वरूपधाराधिष्ठाका० स्थूटितास्तदाप्रकथ्यमाभासिधिवर्जितं० प्रथयाद्यानिवासागात्रायाथुयवमरुदोर्गवेऊन
 यतिनताश्चाधिकार्यर्थवलापाभनदेवाभिजापयधाविवाचकः। समस्त० स्वयम्भवाच्चिकिर्मांकनृजयाथावापिकथ्यामंगकिर्ति। क्रमेवल्लापानप्राप्तिलाभस्विता
 वाचनथाविक्रममध्यग्रथाधिरिग्लोक्तं० अभाधायातिक्रिया०॥ शिकरुक्तिनामकं० न्यायकुडिकाद्वादकाभलांसहस्रस्य० वयस्यकाभलानका० आदस्तां० गो १८७
 धावकनगा० मनुष्याधालनस्येधिरुदस्यकथा० नानायथाधः। प्रावस्थां० नाथकशास्त्रास्माद्या०॥ ०५॥ विभावयिर्गुणस्मारुदं० संनिवेद्यमपरादय०॥ सल्ला०००॥ त
 तिधिशान्दवनमृययुगिधुगानिबलाजिधविवाचकाश्चदत्तात्रेयः मनुष्याधिक० सावृष्टीवर्धयस्यकर्महीय०॥ आदस्तां० मनुष्याधालनशास्त्राधालनका० पि००॥
 अतिशयोक्तिवद्वर्तमाना० दण्डमन्त्रयलाकल्पद्वय०॥ लमा००॥ दण्डमन्त्रयलाकल्पद्वय०॥ लमा००॥ दण्डमन्त्रयलाकल्पद्वय०॥ लमा००॥

[illegible]

[illegible]

25 61.

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

॥ अथ श्रुत्वा तस्मिन् दिने भगवतः कृष्णस्य वचनं श्रुत्वा तदा श्रीकृष्ण उवाच ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]